

छुटकन ने नदी कैसे पार की?

**HOW THE LITTLE HORSE
CROSSED THE STREAM**

हिन्दी अनुवाद: अरविन्द गुप्ता





चीन के एक पहाड़ी गांव में बहुत सारे घोड़े थे। वो गाड़ियां खींचने के साथ-साथ खेतों में हल जोतने का काम भी करते थे। इन घोड़ों में एक सफेद घोड़ी और उसका बेटा 'छुटकन' भी था। सफेद घोड़ी अपने बेटे छुटकन को बहुत प्यार करती थी।

In the stables of one mountainous village in China, there were many horses. The horses used to plough fields and pull carts.

Among the horses lived a white mare and her colt. Little Horse. The white mare loved Little Horse very much.



एक दिन सफेद घोड़ी ने छुटकन से चक्की पर एक बोरा गेंहू ले जाने को कहा। छुटकन ने तुरन्त बोरे को अपनी पीठ पर लादा और आटा चक्की की ओर चल दिया।

One day his mother asked Little Horse to take a bag of wheat to the mill. Little Horse at once set the bag on his back and trotted off to the mill.



छुटकन तेजी से दौड़ा और फिर झट से रुका। क्योंकि सामने एक नदी बह रही थी।

Little Horse ran and he ran. Suddenly he stopped.
There was a stream in front of him.



छुटकन को नदी के पास एक बैल दिखाई दिया। छुटकन ने उससे पूछा, 'चाचा, क्या मैं इस नदी को पार कर पाऊंगा? मैं नदी के उस पार जाना चाहता हूँ।'

'हां, बिल्कुल,' बैल ने कहा। 'नदी का पानी काफी छिछला है। मैंने कल ही इसे पार किया था।'

Little Horse saw a bull near the stream, and ran upto him, "Uncle Bull, can I cross the stream? I want to go to the other side."

"Oh yes!", said the bull. "The water in the stream is very shallow. I crossed it yesterday."



छुटकन ने नदी में पैर रखा ही था कि एक गिलहरी दौड़ती हुई आई और उसने छुटकन से कहा, 'रुको, भाई रुको!'
'यह नदी बहुत गहरी है। मेरी दोस्त कल इसे लांघते हुए डूब के मर गई थी।'

The Little Horse stepped into the water. But a squirrel came scurrying along. "Stop, Little Brother!" said the squirrel.

"The water in the stream is very deep. Yesterday my friend drowned while he was crossing it."



यह सुन छुटकन थोड़ा सहमा। उसे समझ नहीं आया कि वो क्या करे। इसलिए वो दौड़ा-दौड़ा अपनी मां के पास वापस गया।

Little Horse stopped. He didn't know what to do. So he went back to his mother.



छुटकन को वापस आता देख मां को बहुत आश्चर्य हुआ। 'तुम बोरे को चक्की पर क्यों नहीं ले गए?' मां ने पूछा। छुटकन ने जवाब दिया, 'रास्ते में एक नदी थी। बैल चाचा ने कहा कि वो छिछली है और मैं उसे आसानी से पार कर सकता हूं। परन्तु गिलहरी बहन ने कहा कि वो बहुत गहरी है और मैं उसे पार नहीं कर पाऊंगा। अब आप ही बताएं कि मैं क्या करूं?'

His mother was surprised to see him. "Why haven't you taken the bag to the mill?" she asked. Little Horse replied, "There's a stream on the way. Uncle Bull said it is not deep and I could cross it. But Sister Squirrel said it is too deep, and I can't cross it. What should I do, Mother?"



मां ने कहा, 'बेटा तुम खुद जाकर मालूम करो कि नदी छिछली है कि गहरी।'

Mother said, "Go find out for yourself, son, whether the stream is shallow or deep."



मां ने छुटकन को समझाया, 'देखो बैल चाचा तुमसे ऊंचाई में बहुत बड़े हैं इसलिए नदी उन्हें बहुत छिछला लगी होगी। क्योंकि गिलहरी की ऊंचाई बहुत छोटी है इसलिए उसे नदी बहुत गहरी लगी होगी। यह पता करने के लिए कि नदी छिछली है या गहरी तुम अपनी ऊंचाई की तुलना उनकी ऊंचाईयों से करो।'

She explained to Little Horse, "uncle Bull is very tall, that's why the water is shallow for him. Squirrel is so small that she can draw in even a little water. "To find out for your self whether the stream is too deep or not, compare your height with theirs, son."



छुटकन ने अपना सिर हिलाया और फिर दौड़ कर नदी पर वापस गया। वहां पर बैल चाचा और गिलहरी आपस में लड़ रहे थे। 'नदी बहुत छिछली है! नहीं गलत, नदी बहुत गहरी है!'

Little Horse nodded his head and ran back to the stream. There were Uncle Bull and Squirrel fighting. "The river is shallow! No, the river is deep!"



छुटकन ने उन दोनों के साथ अपनी ऊंचाई की तुलना की। इससे छुटकन का शक पूरी तरह दूर हो गया। फिर उसने कहा, 'मैं अब नदी को खुद पार करके देखूंगा।' यह कह कर वो नदी में उतरा।

This time Little Horse has no doubt. He compared both their heights with his, and said "I'll try and see." He got into the water.



छुटकन मजे से नदी पार कर दूसरे किनारे पर पहुंचा। नदी में पानी का स्तर बैल चाचा द्वारा बताए जितना छिछला तो नहीं था पर गिलहरी द्वारा बताए जितना गहरा भी नहीं था।

Little Horse crossed the stream easily and reached the other side. The water in the stream was neither as shallow as Uncle Bull had said, not was it as deep as Squirrel had said.



जब छुटकन आटे की चक्की पर गेंहू का बोरा छोड़ने के बाद घर वापस पहुंचा तो उसकी मां को उस पर बहुत गर्व हुआ।

When he got back home after taking the wheat to the mill, his mother was very proud of him.



अब जब भी छुटकन को कोई कठिन काम दिया जाता है तो वो अन्य लोगों से पूछताछ जरूर करता है परन्तु साथ-साथ खुद सोचता भी है। खूब सोच-समझने के बाद ही वो काम करता है। वो इस प्रकार धीरे-धीरे होशियार बन रहा है।

Now, whenever Little Horse is asked to do something that he can't understand, he certainly asks others, but also think it out for himself. Then he takes up the work. That's how he is getting to be intelligent.